भारतीय ज्ञान परम्परा और संस्कृत

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में)

राष्ट्रीय कार्यशाला

दिनांक : 02–03 जुलाई 2024

आयोजन स्थल

श्री कृष्ण योग भवन

विश्वविद्यालय परिसर, देवास मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)

आयोजक

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन एवं
उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल

सम्पर्क सूत्र – 9479479986, 9737793210, 9425464550, 7566297851

प्रस्तावना

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा के सभी स्तरों में भारतीय ज्ञान परम्परा के समावेश की अनुशंसा करते हुए प्रस्तावना के अन्तिम भाग में नीति के उद्देश्य के सम्बन्ध में कहा गया है कि – इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है, जो विचार, बौद्धिकता एवं कार्य व्यवहार से भारतीय बनकर विश्व कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हो। आज विश्व, भारतीय ज्ञान परम्परा से परिचित होने को उत्सुक है। विश्व मानव समुदाय के समक्ष कई ऐसी समस्याएँ हैं, जिनका समाधान उनके पास नहीं है। उच्च शिक्षित तथा उत्कृष्ट भौतिक संसाधनों से सम्पन्न होने के पश्चात् भी विश्व जनमानस, मानसिक अवसाद, तनाव, हिंसा, नकारात्मकता तथा निराशावादिता से ग्रस्त है। भारतीय शिक्षा पद्धति तथा भारतीय ज्ञान परम्परा का लक्ष्य शरीर तथा मन से स्वस्थ, कर्त्तव्यनिष्ठ, सदाचार आदि विशिष्ट गुणों से युक्त श्रेष्ठ नागरिक का निर्माण करना रहा है। वह विद्यार्थी को उसकी रुचि, आवश्यकता तथा योग्यता के आधार पर विषय चयन का व्यापक अवसर प्रदान करती है तथा विषय के प्रयोगमूलक तलस्पर्शी ज्ञान अर्जित करने हेतु प्रोत्साहित करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उपर्युक्त बातों पर विशेष जोर दिया गया है।

कार्यशाला के उद्देश्य

विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास तथा प्रयोगधर्मी श्रेष्ठ व्यक्तित्व के निर्माण के लिए समर्पित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को कार्यान्वित करने वाला पहला प्रदेश, मध्यप्रदेश है। यहाँ सत्र 2021–22 से ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूलभावना के अनुरूप पाठ्यक्रमों की संरचना कर उच्च शिक्षा में लागू किया गया है। संस्कृत (बी.ए. ऑनर्स+एम.ए. संस्कृत पाठ्यक्रम) तथा प्राच्य संस्कृत (शास्त्री ऑनर्स, शास्त्री+शिक्षाशास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रम) के पाठ्यक्रमों को भारतीय ज्ञान परम्परा की दृष्टि से अद्यतन करने के लिए मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन को दायित्व प्रदान किया गया है। उक्त के परिपालन में प्राप्त निर्देशानुसार बी.ए.ऑनर्स तथा शास्त्री परीक्षा के प्रथम वर्षीय पाठ्यक्रमों को अद्यतन करने की दृष्टि से व्यापक विचार–विमर्श करने के लिए द्विदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 2–3 जुलाई 2024 को किया जा रहा है। जिसमें देश के प्रख्यात शिक्षाविद्, विषय विशेषज्ञ, विद्वान् तथा शोधार्थी भाग लेंगे।

विश्वविद्यालय का परिचय

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय की स्थापना, मध्यप्रदेश शासन द्वारा 15 अगस्त 2008 को प्राच्य विद्या की राजधानी उज्जयिनी में की गयी। विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य संस्कृत वाङ् मय में विद्यमान भारतीय ज्ञान परम्परा का लोकव्यापीकरण, शास्त्र परम्परा का संरक्षण एवं संवर्धन, वेद, वेदांग, आरण्यक, उपनिषद्, धर्मशास्त्र, पुराण, काव्य, नाट्य आदि विविध ग्रन्थों का आधुनिक तकनीक का सहयोग लेकर नवाचार एवं अन्तर्विषयी शोध तथा अध्ययन–अध्यापन करना, पाण्डुलिपियों का संरक्षण, सम्पादन तथा प्रकाशन करना है। संस्कृत विश्व की सर्वाधिक प्राचीन तथा समृद्धतम भाषा होने के साथ वह प्रयोगधर्मिता की दृष्टि से आधुनिकतम भी है। विश्व का अद्यावधि ज्ञाताज्ञात ज्ञान विज्ञान का का मूल संस्कृत वाङ्मय है। अतः भारतीय ज्ञान परम्परा की दृष्टि से संस्कृत का महत्त्व सर्वोपरि है। कार्यशाला के माध्यम से उन सभी महत्त्वपूर्ण पक्षों पर व्यापक विचार–विमर्श तथा गवेषणा की जायेगी, जो व्यापक लोकहित में तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास में उपयोगी होंगे।

कार्यशाला हेतु निर्देश

1. कार्यशाला में संस्कृत तथा प्राच्य संस्कृत विषय के केन्द्रीय अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष तथा सदस्यगण, फैसिलिटेटर, ई कण्टेण्ट क्रियेटर तथा हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के लेखकगण, अनिवार्यतः अपेक्षित है।
2. कार्यशाला में प्रतिभागिता करने के इच्छुक महाविद्यालय/विश्वविद्यालय में कार्यरत अथवा सेवानिवृत्त संस्कृत विषय के विषय विशेषज्ञ, आचार्य अथवा शोधार्थी को 2500 शब्दों से 4000 शब्दों का शोध मानकों के अनुरूप टंकित शोध निबन्ध (यूनिकोड फाण्ट में टंकित) दिनांक 27.6.2024 तक utdpanini@gmail.com पर प्रेषित करना अनिवार्य होगा। शोध निबन्ध गुणवत्ता पूर्ण पाये जाने पर, कार्यशाला में प्रतिभागिता की अनुमति प्रदान की जायेगी तथा ससम्मान आमन्त्रित किया जायेगा।
3. आमंत्रित विद्वान् तथा शोधार्थी को स्थानीय आतिथ्य (आवास तथा भोजन) कार्यशाला दिवसों में प्रदान किया जायेगा।
4. कार्यशाला में प्रतिभागिता हेतु निम्नलिखित गूगल फार्म भरना अनिवार्य है।
   गूगल फार्म की लिंक – https://forms.gle/2ygMcueKkBhyjbYd9
5. आपके आवागमन का विवरण अनिवार्य रूप से दें।
6. केन्द्रीय अध्ययन मण्डल के सदस्यगण, फेसिलिटेटर, ग्रन्थ लेखक एवं ई कण्टेन्ट क्रियेटर से अनुरोध है कि कृपया सभी सम्बन्धित विषय पर टंकित किया हुआ मौलिक शोध निबन्ध 27.6.2024 तक utdpanini@gmail.com पर अवश्य भेजें।
7. बिना शोध निबन्ध के किसी भी प्राध्यापक अथवा शोधार्थी को कार्यशाला में प्रतिभागिता करने की अनुमति नहीं होगी।

शोध निबन्ध हेतु विषय

1. भारतीय ज्ञान परम्परा और वैदिक साहित्य।
2. भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता।
3. भारतीय ज्ञान परम्परा के आधारभूत तत्त्व।
4. भारतीय शिक्षा पद्धति।
5. भारतीय ज्ञान परम्परा में वैज्ञानिक दृष्टि।
6. संस्कृत में रोजगार की सम्भावनायें।
7. भारतीय ज्ञान परम्परा और संस्कृत।
8. भारतीय ज्ञान परम्परा में शब्द ब्रह्म की अवधारणा।
9. श्रेष्ठ जीवन के लिए योग।
10. संस्कृत साहित्य में नैतिक मूल्य।
11. भारतीय दर्शन की लोकोपयोगिता।
12. उपनिषद् और भारतीय ज्ञान परम्परा।
13. वैदिक गणित की उपयोगिता ।
14. संस्कृत वाङ्मय में भौतिक विज्ञान
15. संस्कृत वाङ्मय में रसायन विज्ञान।
16. संस्कृत वाङ्मय में चिकित्सा विज्ञान।
17. संस्कृत वाङ्मय में भूगोल।
18. संस्कृत वाङ्मय में खगोल विद्या।
19. भारतीय ज्ञान परम्परा में ज्योतिष।
20. संस्कृत शिक्षा का स्वरूप।
21. बी.ए. ऑनर्स संस्कृत तथा एम.ए. संस्कृत पाठ्यक्रम की आलोचनात्मक विवेचना।
22. शास्त्री तथा आचार्य संस्कृत प्राच्य पाठ्यक्रम की आलोचनात्मक विवेचना।
23. बी.ए. ऑनर्स संस्कृत तथा एम.ए. संस्कृत पाठ्यक्रम का अद्यतन स्वरूप विमर्श।
24. शास्त्री पाठ्यक्रम में अद्यतन दृष्टि से विचार।

नोट – उक्त शीर्षकों के अतिरिक्त भी स्वेच्छा से संबंधित विषय पर शोध लेख लिखा जा सकता है।

राष्ट्रीय कार्यशाला की रूपरेखा

दिनांक 02 जुलाई 2024, मंगलवार

प्रथम दिवस

क्रमांक	कार्यक्रम विवरण	समय
1	पंजीयन	प्रातः 09:30 से 10:30
2	उद्घाटन सत्र	प्रातः 10:30 से 11:30
	अल्पाहार – 11:30 से 12:00	
3	विषय विशेषज्ञ द्वारा बीज वक्तव्य	दोप. 12:00 से 01:30
	भोजनावकाश – 01:30 से 02:30	
4	आलेख/शोध पत्र का प्रस्तुतीकरण	02:30 से 04:30
5	संगोष्ठी/कार्यशाला समाहार सत्र/प्रतिवेदन प्रस्तुतीकरण	04:30 से 05:00
6	आभार	05 00

दिनांक 03 जुलाई 2024, बुधवार

द्वितीय दिवस

क्रमांक	कार्यक्रम विवरण	समय
1	संस्कृत तथा प्राच्य संस्कृत विषय पर स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में शामिल भारतीय ज्ञान परम्परा पर चर्चा।	प्रातः 10:30 से 12:00
	अल्पाहार – 12:00 से 12:30	
2	संस्कृत तथा प्राच्य संस्कृत विषय पर स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में नवीन समाहित किये जाने वाले भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित नवीन सुझाव पर चर्चा।	दोप. 12:30 से 02:00
	भोजनावकाश – 02:00 से 03:00	
3	पाठ्यक्रम के स्वरूप और शिक्षण पद्धति से चर्चा	03:00 से 04:00
4	संगोष्ठी/कार्यशाला समाहार सत्र	04:00 से 04:30
5	आभार	04 30

राष्ट्रीय कार्यशाला

दिनांक : 02–03 जुलाई 2024

विषय – भारतीय ज्ञान परम्परा और संस्कृत
(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में)

आयोजन समिति

- **संरक्षक** – **प्रो. विजयकुमार सी.जी.**
  माननीय कुलगुरु
  महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
- **मार्गदर्शक** – **प्रो. दिलीप सोनी**
  कुलसचिव
  महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
- **अध्यक्ष** – **डॉ. तुलसीदास परौहा**
  नोडल अधिकारी तथा संस्कृत साहित्य विभागाध्यक्ष
  महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
- **समन्वयक** – **डॉ. पूजा उपाध्याय**
  विभागाध्यक्ष–विशिष्ट संस्कृत विभाग
  महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
- **संयोजक** – **डॉ. शुभम् शर्मा**
  विभागाध्यक्ष–ज्योतिर्विज्ञान विभाग
  महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
- **सदस्य सचिव** – **डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी**
  विभागाध्यक्ष–व्याकरण विभाग
  महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
- **सदस्य** – **डॉ. उपेन्द्र भार्गव**
  विभागाध्यक्ष–ज्योतिष विभाग
  महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

सदस्य – **डॉ. संकल्प मिश्र**
विभागाध्यक्ष–वेद विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

सदस्य – **डॉ. अनिल मुवेल**
सहायक आचार्य–संस्कृत साहित्य विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

सदस्य – **डॉ. अजय राठी**
सहायक आचार्य – विशिष्ट संस्कृत विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन